हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, 4 शनिवार, मई 2024

13 युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए धौलेड़ा में खेल प्रतियोगिता करवाई

14 केस दर्ज नहीं करने पर भड़के संगठनों का रोष प्रदर्शन, एसपी को सौंपा ज्ञापन

खबर संक्षेप

पुलिस ने भोजावास से बरामद की स्मैक

कनीना। शहर पुलिस ने चेलावास में छापेमारी कर एक व्यक्ति से 810 मिलीग्राम नशीला पदार्थ स्मैक बरामद की है। पुलिस ने गुप्ता सूचना पर ईटीओ राजबीर सिंह को राजपत्रित अधिकारी के रूप में साथ प्राइमरी स्कूल के पास से बब्लू नामक व्यक्ति को काबू पर पूछताछ की। जिसकी पेंट की जेब में रखे सिल्वर पेपर में स्मैक मिली। तलाशी ली गई तो सिल्वर पेपर से स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुंओं से 6 किसानों के ट्यूबवेल की केबल चोरी

मंडी अटेली। क्षेत्र के किसानों के खेतों से ट्यूबवेल की केबल चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही, जिससे किसानों को काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। आए दिन खेतों से केबल चोरी ने किसानों को परेशानी में डाल दिया है। मोहम्मदपुर के किसान बाबूलाल ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि उसके गांव के कुंओं से अज्ञात चोर गत एक मई बुधवार रात्रि को 80 फुट केबल चोरी करके ले गए हैं। अटेली पुलिस ने मामला दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई शुरू कर दी। चोरी की बढ़ती घटनाओं से किसानों में रोष है।

सभा ने पूर्व मंत्री के साथ हुई घटना की निंदा की

महेंद्रगढ़। ब्राह्मण सभा ने भाजपा नेता व पूर्व शिक्षा मंत्री प्रो. रामबिलास शर्मा को एक मई को हिसार में रणजीत सिंह चौटाला के नामांकन करने के दौरान सचिवालय में जाने से रोकने की घटना की निंदा की। प्रधान दिनेश चंद्र वैद्य ने कहा कि घटना निंदनीय है और साजिश के तहत किसी दूसरे नेता के इशारे पर हुआ। इससे समाज में रोष है। प्रो. रामबिलास शर्मा के साथ हुई इस अभद्रता के खिलाफ ब्राह्मण समाज के नेता उस क्षेत्र में जाकर विरोध जताएंगे। ब्राह्मण समाज के गणमान्य लोगों ने भी इस घटना को निंदनीय बताया है और साजिश करने वाले नेता के क्षेत्र में जाकर विरोध करने का फैसला लिया है।

अवैध शराब के साथ एक आरोपित को पकड़ा

महेंद्रगढ़। गाड़ी में अवैध शराब ले जाते पुलिस ने एक आरोपित को पकड़ा है। पुलिस ने आरोपित की गाड़ी से एक पेटी से अधिक शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपित पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पुलिस की एक टीम पाली अड्डे पर मौजूद थी। इस दौरान टीम को गुप्त सूचना मिली कि गांव भुरजट निवासी रविंद्र सिंह अपनी गाड़ी में शराब बेचने के लिए आकोदा की तरफ से भुरजट जाएगा। इस सूचना पर गांव भुरजट के बस अड्डे पर नाका लगाया गया। थोड़ी देर बाद आकोदा की तरफ से एक गाड़ी गांव भुरजट की तरफ मुड़ी, इस दौरान पुलिस टीम ने गाड़ी को रूकवाकर चालक का नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम रविंद्र वासी भुरजट बताया। टीम ने जब गाड़ी की तलाशी ली तो देशी शराब की एक पेटी पव्वा व एक बोतल बरामद हुई।

उल्टी-दस्त के मरीजों को लेकर अलर्ट हुआ स्वास्थ्य विभाग

हीट वेव: पांच दिन में ही बढ़कर 250 से 300 के पार पहुंची ओपीडी

सीएचसी में 35 बेड व हीट वेव की दवाइयों का किया प्रबंध, मरीजों को शीतल वातावरण में तत्परता से मिलेगा इलाज वार्डों में मिलेगी एसी की सुविधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। स्वास्थ्य केंद्र में उपचाराधीन बच्चे। फोटो : हरिभूमि

गर्मी का पीक सीजन शुरू होते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों की संख्या बढ़नी आरंभ हो गई है। बीते पांच दिनों में दैनिक ओपीडी 250 से बढ़कर 300 पार पहुंच गई। दूसरी ओर सीएचसी प्रशासन ने भी मरीजों के लिए 35 एडमिट बेडों का प्रबंध करने के साथ सभी वाडार्ें में एसी लगाए गए हैं, ताकि हीट वेव पीड़ित को शीतल वातावरण में तत्परता से इलाज मिल सकें। इसके लिए अस्पताल में दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक किया गया है।

नांगल चौधरी सीएचसी के अंतर्गत विभिन्न गांवों में 1.85 लाख आबादी है। जिनकी चिकित्सीय सुविधा के लिए पांच हजार की आबादी पर एक उप स्वास्थ्य केंद्र व 10 हजार की जनसंख्या पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित हैं। जहां चिकित्सकों के साथ स्वीकृत पोस्टों के अनुसार स्टॉफ नियुक्त हैं, लेकिन पीएचसी पर मूलभूत संसाधन उपलब्ध नहीं, इसलिए मरीजों को नांगल चौधरी सीएचसी में आना पड़ता है। यहां दैनिक रूप से 250 के आसपास मरीज आते हैं, लेकिन अब गर्मी बढ़ते ही मरीजों की संख्या भी बढ़ गई। मुख्य सचिव के निर्देशानुसार एसएमओ डा. धर्मेश सैनी ने हीट वेव संबंधी दवाइयों का प्रबंध किया है। सभी वार्डों में एसी लगावाए हैं, क्योंकि मरीज को पीड़ित वातावरण इलाज मुहैया करवाने पर जल्द राहत मिलेगी।

ये सावधानियां बरतकर हीट वेव से करें बचाव

- घर से पानी पीकर और पानी की बोतल साथ लेकर चले।
- शरीर पर हलके रंग के ढीले और पूरे कपड़े पहने।
- धूप में घर से बाहर निकलने से बचें और बार-बार छाछ, जूस व तरल पेय पदार्थ पीते रहे।
- शारीरिक परिश्रम कम करें तथा डाइट का ध्यान रखें।
- धूप में आकर सीधा ठंडा पानी ना पीये और शरीर को हाइड्रेट रखें।
- संसाधान व दवाइयों की कमी नहीं, स्टॉफ अलर्ट

पांच बेड की ओपीडी

पांच बेड ओपीडी रूम के साथ लगाए गए हैं, जहां गंभीर रूप से हीट वेव पीड़ित को एडमिट किया जाएगा। 11 बेड दूसरी मंजिल लगाए हैं, यहां शिशु रोग विशेषज्ञ छोटे बच्चों को एडमिट करके उनका इलाज करेंगे। एक महिला वार्ड बनाया गया है, जिसमें पांच बैडों की सुविधा है। बाकी बेड जनरल वार्ड में हैं, जिन पर सामान्य मरीजों को चिकित्सीय सुविध मुहैया करवाई जाएगी। मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल में सांकेतिक बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे उन्हें मदद मिलेगी। महिलाओं का वार्ड ग्राउंड फ्लोर पर बनाया गया है, क्योंकि गर्भवती व बुजुर्ग महिलाओं को द्वितीय तल की सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी रहती है। इसके अलावा आशा वर्कर, एएनएम व नर्सिंग ऑफिसर स्टॉफ की मार्फत हीट वेव से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया है।

बच्चों में उल्टीए दस्त और बुखार की समस्या बढ़ी

शिशु रोग विशेषज्ञ डा. अशोक यादव ने बताया कि रोजाना करीब 125 बच्चों की ओपीडी होने लगी है। जिसमें अधिकतर उल्टी, दस्त व बुखार से पीड़ित होते हैं। अब गर्मी बढ़ने व शादियों की सीजन चलने पर बीमारियां तेजी से बढ़ने की आशंका है। शादी में तला हुआ व दूषित भोजन खाने पर फूड प्वाइजन की समस्या भी हो सकती है। लू या अन्य बीमारी का प्रारंभिक चरण में इलाज करवाना जरूरी है, अन्यथा बच्चे के स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

40 डिग्री से अधिक तापमान में हीट स्ट्रोक का खतरा

विभागीय चिकित्सकों के अनुसार 40 डिग्री को पार करते ही तापमान हीट स्ट्रोक का कारण बन सकता है। पीड़ित को तेज सिरदर्द, श्रम, मितली, चक्कर आना, त्वचा गर्म लाल, नाड़ी तेज, बेहोशी, चेतना की हानि की समस्या होने लगेगी। ऐसे मरीज को तुरंत अस्पताल में भर्ती करवाना अनिवार्य है। हीट स्ट्रोक से मस्तिक की रक्त वाहिका अवरुध या संकुचित हो जाती है। जिससे मरीज को जानलेवा खतरा संभव है।

तापमान बढ़ने से हीट वेव की बढ़ी आशंका

सीएचसी के एसएमओ डा. धर्मेश कुमार सैनी ने बताया कि तापमान बढ़ते ही हीट वेव की आशंका भी बढ़ गई। बचाव के लिए पर्याप्त दवाइयों के साथ बेडों का इंतजाम किया गया है। सभी वाडार्ें में एसी लगाए गए हैं, क्योंकि मरीज को ठंडे वातावरण में जल्द राहत मिलती है। हीट वेव से बचाव के लिए स्वास्थ्य कर्मियों ने गांव वाइज जागरूकता मिशन भी चलाया है।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

- होटल, धर्मशाला संचालक, डीजे व बैंड वालों से तत्काल दें सूचना

अक्षय तृतीया (अक्खा तीज) के दिन जिले में बाल विवाह की आशंका को लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिले में किसी भी सूरत में बाल विवाह न होने पाए इसके लिए विशेष नजर रखी जा रही है। इस बार 10 मई को अक्षय तृतीया है। इस दिन जिलेभर में विवाह समारोह की धूम रहेगी। ऐसे में अक्षय तृतीया पर होने वाले सामूहिक विवाह की आड़ में बाल विवाह भी हो सकते हैं।

जिला महिला संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी सरीता शर्मा ने खास तौर पर बाल विवाह अथवा इससे जुड़ी किसी भी तरह की गतिविधि पर नजर रखने के लिए टैंट हाउस संचालकों, फोटोग्राफर, डीजे साउंड, बैंड बाजा वालों, धर्मशाला संचालकों, मैरिज पैलेस व कार्ड प्रिंटिंग मशीन संचालकों से सहयोग की अपील की गई है कि वह ऐसे किसी भी कार्यक्रम में न तो भाग लें और इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें। इस दौरान लड़का लड़की के जन्म से सम्बंधित कागजात मंगवा कर देखें। लड़के की आयु 21 वर्ष से कम तथा लड़की की आयु 18 वर्ष से कम पाई जाने पर कानूनी कार्रवाई होगी। सरकार के बाल विवाह निषेध 2022 नोटिफिकेशन जारी करने के बाद इसे पूर्ण तौर पर अवैध घोषित किया हुआ है। पूर्व में जहां बाल विवाह पर बालिग उम्र तक रोक लगा दी जाती थी, लेकिन वहीं अब हरियाणा सरकार की ओर से कानून जारी कर दिया गया है कि अगर कोई भी बाल विवाह करते हुए पाया गया तो उसे पूर्ण तौर पर अवैध माना जाएगा।

एसडीएम कार्यालय के सामने सड़क हादसे में तीन घायल

कनीना। कनीना-महेंद्रगढ़ सड़क मार्ग पर दोपहर एक बजे घटित सड़क हादसे में बाइक सवार महिला व पुरुष घायल हो गए। जानकारी के अनुसार

एक बाइक पर सवार होकर पुरुष व महिला महेंद्रगढ़ की ओर से कनीना बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। एसडीएम कार्यालय के सामने पहुंचे तो एक चालक कार को मोड़ रहा था। बाइक चालक ने जैसे ही कार को बचाना चाहा तो वह एक पद यात्री से टकरा गया। जिससे पद यात्री सहित बाइक सवार महिला व पुरुष सड़क पर गिर गए। इस दौरान कोई वाहन सड़क पर नहीं आया। जिससे बड़ा हादसा टल गया। राहगीरों की मदद से घायलों को उठाया और अस्पताल भेजा।

अटेली :268713 क्विं. सरसों की सरकारी खरीद

मंडी अटेली। अटेली मंडी में रबी सीजन-2024 की सरसों की सरकारी खरीद बंद हो गई, लेकिन गेहूं की खरीद जारी है। सरसों की कुल 268713 क्विंटल की खरीद हुई। यह खरीद 28 मार्च से लेकर एक मई तक की सरकारी खरीद है। जो पिछले साल 234042 खरीद हुई थी, गत वर्ष के मुकाबले करीब 34 क्विंटल सरसों की खरीद हुई है। अबकी बार 1477800 मार्केट फीस के रूप में मिली, जो साल के मुकाबले अधिक है। इसमें प्राईवेट व सरकारी दोनों खरीद शामिल हैं। अटेली मंडी में गेहूं की खरीद कुल 7141 क्विंटल खरीद हो गया है। सरसों के 13 हजार तथा गेहूं के किसानों की खरीद जारी है। अब तक 250 किसानों की खरीद हो चुकी है। पिछले साल गेहूं की आवक ही नहीं हुई थी। अभी तक एक लाख 75 हजार क्विंटल का उठान हुआ है। सभी गांवों का एकबार शेडयूल आने के अलावा ओपन खरीद भी अनेक दिन चली। मार्केट कमेटी की कार्यकारी अधिकारी एवं सचिव सुनीता फौगाट व सहायक सचिव संजय कुमार ने बताया कि मंडी में 28 मार्च से लेकर एक मई तक सरसों की सरकारी खरीद हुई। ओपन खरीद के साथ रोस्टर बना कर भी गांवों का चयन किया था। सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य 5650 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से सरसों की खरीद हुई। अटेली मार्केट कमेटी में के अंतर्गत 77 गांव लगते हैं। गेहूं की न्यूनतम समर्थन 2275 रुपये के मूल्य से खरीद जारी है। अटेली में 31484 रकबे में 10716 किसानों ने सरसों का पंजीकरण किया हुआ है।

छह गांवों के 18 मतदान केंद्र अतिसंवेदनशील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

लोकसभा चुनाव को लेकर अधिकारियों ने शांतिपूर्वक मतदान करवाने की दिशा में ताकत झोंक दी है। एसडीएम सुरेंद्र सिंह, तहसीलदार संजीव नागर, नायब तहसीलदार दलबीर सिंह दुग्गल सहित भू-राजस्व एवं पंचायत एवं विकास विभाग के कर्मचारी प्रत्येक मतदान केंद्र पर पहुंचकर निरीक्षण करने में जुटे हुए हैं। मतदान केंद्रों पर नाम व भाग संख्या लिखवाई जा रही है। वहीं पेयजल एवं शौचालय संबंधी व्यवस्था भी दुरूस्त की जा रही है।

कनीना तहसील के स्याणा से लेकर भोजावास, मुंड़ियाखेड़ा तक सभी मतदान केंद्रो पर जाकर अवलोकन किया जा रहा है।

स्ट्रांग रूम पहुंचीं ईवीएम

महेंद्रगढ़। एसडीएम एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार ने अपनी मौजूदगी में गत दिवस लोकसभा चुनाव के लिए प्राप्त ईवीएम मशीन को राजकीय महाविद्यालय में बनाए गए स्ट्रांग रूम में रखवाया। इस मौके पर उनके साथ नोडल अधिकारी तहसीलदार मदनलाल शर्मा व चुनाव कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

चिकित्सा बोर्ड लगाएगा कैम्प, जारी होंगे दिव्यांग प्रमाण पत्र

नारनौल। नागरिक अस्पताल में दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी करने के लिए लगने वाला चिकित्सा बोर्ड अब महीने के प्रत्येक बुधवार व शुक्रवार को लगाया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सिविल सर्जन डा. रमेश चंद्र आर्य ने बताया कि इसी प्रकार नागरिक अस्पताल महेंद्रगढ़ में पहले की भांति प्रत्येक मंगलवार को दिव्यांग प्रमाण पत्र के लिए चिकित्सा बोर्ड लगाया जाएगा।

अटेली हलके में छह गांवों में 18 मतदान केंद्र अति संवेदनशील व 11 गांवों के 26 मतदान केंद्र संवेदनशील माने गए हैं। जहां मतदान के दौरान अतिरिक्त पुलिस फोर्स की जरूरत रहेगी।

साबरमती-हरिद्वार-साबरमती स्पेशल रेलसेवा का संचालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

रेलवे की ओर से गर्मियों की छुट्टियों में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु साबरमती-हरिद्वार-साबरमती (01 ट्रिप) स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जाएगा। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार स्पेशल रेलसेवा पांच मई रविवार को साबरमती से 19:00 बजे रवाना होकर सोमवार को 19:00 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09426 हरिद्वार-साबरमती स्पेशल रेलसेवा छह मई सोमवार को हरिद्वार से 21:45 बजे रवाना होकर मंगलवार को 21:30 बजे

साबरमती पहुंचेगी। यह रेलसेवा मार्ग में महेसाना, पालनपुर, आबूरोड, जवाई बांध, फालना, रानी, मारवाड, अजमेर, किशनगढ़, फुलेरा, रींगस, नीमकाथाना, नारनौल, रेवाड़ी, गुरुग्राम, दिल्ली कैंट, दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर व रूडकी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

आग से खासपुर पहाड़ी के पास ईंधन जला

- आग से करीब 20 परिवारों का ईंधर जला।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

क्षेत्र के गांव खासपुर की पहाड़ी के समीप रखे लगभग 20 परिवारों के इंर्धनों में शुक्रवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग लगते ही वहां उपस्थित लोगों ने फायर ब्रिगेड को मामले की सूचना दी, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक ईंधन जलकर राख हो चुके थे। जानकारी के अनुसार करीब दोपहर 12 बजे खासपुर की पहाड़ी पर 20 परिवारों ने अपने ईंधन डाले हुए थे। दोपहर में जब ग्रामीणों ने देखा कि पहाड़ी के समीप से आग की लपटें आ रही है। तभी

वहां उपस्थित लोगों ने भयानक आग को देखते हुए फायर ब्रिगेड को सूचना दी।

उपस्थित लोग आग बुझाने का प्रयास करने लगे, लेकिन तेज हवा के चलते आग पर काबू नहीं पाया जा सका। सारा ईंधन जलकर राख हो गया था। फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची और आग को ठंडा करने का काम किया। आग इतनी भयानक थी कि गांव के अंदर से इसकी लपटें साफ दिखाई दे रही थी। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ एकत्रित हो गए। मगर आग लगने के असली कारणों का पता तो जांच के बाद ही चल सकेगा। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधि दारा सिंह, अशोक कुमार, वेदप्रकाश मिस्त्री, मोनू, दीपक व सोनू इत्यादि ग्रामीण उपस्थित थे।

पांचवें दिन दो ने भरा पर्चा, दो दिन शेष बचें, रविवार को रहेगी छुट्टी

नारनौल। भिवानी-महेंद्रगढ़ सीट से नामांकन के पांचवें दिन शुक्रवार को दो उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल किया। इनमें कांग्रेस पार्टी से राव दानसिंह व भारतीय जवान किसान पार्टी से आनंद कुमार शामिल है। वहीं भाजपा उम्मीदवार चौधरी धर्मबीरसिंह शनिवार को नामांकन पत्र दाखिल करेंगे। चुनाव आयोग के मुताबिक नामांकन के लिए अब केवल दो दिन शेष बचे हैं। नामांकन आगामी छह मई तक दाखिल किया जा सकता है। रविवार को छुट्टी रहेगी। भिवानी-महेंद्रगढ़ संसदीय क्षेत्र की रिटर्निंग ऑफिसर एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अब तक कुल नौ नामांकन दाखिल हो चुके है। नामांकन दाखिल करते ही एनआईसी की टीम सारे कागजात को एनकोर साफ्टवेयर के माध्यम से अपलोड कर रही है। कोई भी व्यक्ति नो यूअर कैंडिडेट एप डाउनलोड करके अपने उम्मीदवार के बारे में सारी जानकारी देख सकता है।

पटीकरा में बनेगा सहायक मतदान केंद्र और हाजीपुर में बदलेगा मतदान केंद्र का स्थान

नारनौल। जिले के गांव पटीकरा में एक सहायक मतदान केंद्र व गांव हाजीपुर के मतदान केंद्र को परिवर्तित करने की अनुमति दी है। रिटर्निंग ऑफिसर मोनिका गुप्ता ने बताया कि नारनौल विस के बूथ संख्या 124 पटीकरा में एक सहायक मतदान केंद्र बनाने व बूथ संख्या 25 हाजीपुर के मतदान केंद्र को परिवर्तन करने की सिफारिश की थी। जिसे प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने स्वीकार कर लिया।

आतंरी गांव में गहराया पेयजल संकट, 10 दिन से सप्लाई ठप

पानी खरीदकर कंठ गीला कर रहें ग्रामीण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

नांगल चौधरी। पेयजल सप्लाई ठप होने से सूखी पड़ी आंतरी गांव में टंकी।

आंतरी गांव में बीते 10 दिनों से पेयजल सप्लाई ठप है। परेशान ग्रामीण टैंकरों से पानी मंगवाने को मजबूर हैं। समस्या से विभागीय अधिकारियों को अवगत करवा दिया। इसके बावजूद समाधान की प्रक्रिया अटकी हुई है। गुस्साए लोगों ने 24 घंटे में पेयजल सप्लाई को बहाल करने की गुहारा लगाई है। अन्यथा खंड मुखियालय पर धरने-प्रदर्शन का अल्टीमेटम दिया है।

इस बारे में ग्रामीण महेंद्र सिंह, सुनील कुमार, मोनू, अनिल, संदीप कुमार, सचिन ने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग ने गांव में दो बोरवेल लगाए थे। जिनमें एक बोरवेल का जलस्त्रोत सूख गया है। दूसरे बोरवेल का कनेक्शन चार टंकियों से जोड़ा गया है, लेकिन इसमें भी पानी कम पड़ने लगा है। इसके अलावा गांव को कैनाल बेस्ड नहरी पानी मुहैया करवाया गया है, लेकिन बीते 10 दिनों से कैनाल बेस्ड पानी सप्लाई की मोटर भी खराब है।

गर्मी व पानी की किल्लत से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई। दैनिक दिनचर्या को सुचारू रखने के लिए लोगों ने टैंकरों से पानी मंगवाना शुरू कर दिया। डिमांड बढ़ने के कारण टैंकर संचालकों ने सप्लाई के रेट बढ़ा दिए हैं। जिससे गरीब के लिए आर्थिक समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव का एक भी जोहड़ नहर से कनेक्ट नहीं, जिस कारण सभी जोहड़ सूखे पड़े हैं। पानी के आभाव में ग्रामीणों का पशुपालन व्यवसाय प्रभावित होने लगा है। ग्रामीणों की शिकायत पर विभाग ने दो दिन में सप्लाई बहाल करने का भरोसा दिया था, जिसे 10 दिन बीतने बावजूद स्थिति यथावत बनी हुई है।

मोटर जलने से गहराया पेयजल संकट

जनस्वास्थ्य विभाग के जेई प्रवीण कुमार ने बताया कि नांगल श्यालू वाटर टैंक पर पानी लिफ्टिंग के लिए एक ही मोटर उपलब्ध है। लोड बढ़ने के कारण मोटर जल गई। जिस कारण आंतरी गांव की पेयजल सप्लाई ठप हो गई है। अब दूसरी मोटर का प्रबंध कर लिया तथा देर शाम तक आंतरी की पेयजल सप्लाई बहाल हो जाएगी।

प्लाट का एग्रीमेंट हड़प लिए 24.70 लाख, केस

नारनौल। प्लाट का एग्रीमेंट कर 24 लाख 70 हजार की राशि लेकर रजिस्ट्री नहीं करवाने और रुपये भी वापस नहीं देने के मामले में शहर थाना पुलिस आरोपित के खिलाफ आईपीसी की धारा 406 व 420 के तहत केस दर्ज किया है। इस बारे में दयानगर वासी सैनिक विजय कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव नौलायजा वासी दलबीर सिंह पर रुपये लेने के बाद भी प्लाट की रजिस्ट्री नहीं करवाई और ना ही रुपये वापस दे रहा है। जांच की तो प्रथम दृष्टि में आरोप सही पाए गए। इसके बाद पुलिस आरोपित दलबीर सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया है। मामले में पुलिस की ओर से की गई जांच के अनुसार आरोपित दलबीर से शिकायतकर्ता की पत्नी कमलेश के साथ दयानगर में प्लाट के लिए 14 अगस्त 2023 को 24 लाख 70 हजार रुपये का एग्रीमेंट किया, लेकिन दलबीर से उपरोक्त प्लाट की रजिस्ट्री कमलेश के नाम नहीं करवाई। पुलिस ने दोनों पक्षों ने मामला बातचीत से सुलझाने के लिए एक महीने का समय मांगा।

G.L. PUBLIC SCHOOL, KANINA

Applications are invited for various Teaching Positions for Session 2024-25

Principal 01, Accountant 01, PGT - (History - 01, Geography- 01, Political Science-01), PGT - Music- 01, Art & Craft Teacher, TGT- S.St.-02 Mother Teachers - 03, Reasoning- 01, Sweeper 02, Chokidar- 01, Bus Driver - 05, Bus Conductor - 05

WALK-IN-INTERVIEW
09 May 2024
(Timing 10:00 AM To 02:00 PM)
Venue: G.L. Public School, Kosli Road, Kanina
E-mail: glpsch@gmail.com
QUALIFICATION: AS PER CBSE NORMS
Phone - 9813312834

एक गोरिल्ला दिन में 14 घंटे सोकर बिताता है।

यंगभूमि

कुत्ते को हर चीज केवल ब्लैक एंड व्हाइट ही दिखाई देती है।

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

प्रयोगशाला शिक्षक बन चमकाएं अपना करियर

हमारे भारत में किसी भी प्रकार की सरकारी नौकरी को बहुत ही ज्यादा सम्मान दिया जाता है। क्योंकि सरकारी नौकरी पाने के बाद लोगों को ऐसा लगता है, कि उन्होंने सब कुछ पा लिया है। हमारे देश के बुजुर्ग भी सरकारी नौकरी पाने वाले व्यक्ति को बहुत ज्यादा सम्मान देते हैं। इतना ही नहीं सरकारी नौकरी हासिल करने के बाद उम्मीदवार पैसा कमाने के साथ-साथ सम्मान भी बहुत अधिक कमाता है। खासतौर से हमारे आस पास अध्यापक पद काम करने वाले व्यक्ति को अच्छा सम्मान मिलता है। आज के आर्टिकल में हम आपको प्रयोगशाला टीचर कैसे बने, इसके बारे में जानकारी देंगे।

कौन होता है प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं में जो प्रयोगशाला होती है। उन प्रयोगशालाओं में अध्यापक के तौर पर प्रैक्टिकल करवाने वाले उम्मीदवार को कहा जाता है। प्रयोगशाला टीचर उच्च कक्षाओं यानी कि 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षाओं में जो विज्ञान वर्ग के विषयों में प्रैक्टिकल करवाने का काम करते हैं, उनको कहा जाता है। प्रयोगशाला अध्यापक लैब में विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल करके हर चीज सिद्धांत के साथ समझाते हैं। विज्ञान विषय में प्रैक्टिकल काफी महत्वपूर्ण होता है। विज्ञान की थ्योरी पढ़ने के साथ-साथ प्रैक्टिकल के माध्यम से उस रिएक्शन और गतिविधि के बारे में संपूर्ण जानकारी विद्यार्थी लेते हैं और यह जानकारी देने का काम लैब टीचर करता है।

जरूरी योग्यता

जो विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर बनने का सपना देख रहे हैं। और प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए मेहनत कर रहे हैं। उन विद्यार्थियों को सबसे पहले लैब टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता को पूरा करना होगा योग्यता को पूरा करके ही आप प्रयोगशाला टीचर की भर्ती में आवेदन लगा सकते हैं और टीचर बनने के सपने को पूरा कर सकते हैं। प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- उम्मीदवार 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास किया हुआ होना अनिवार्य है।
- उम्मीदवार को उच्च शिक्षा के तौर पर आगे ग्रेजुएशन और मास्टर ग्रेजुएशन करना जरूरी है।
- बीएड की डिग्री हासिल करें।

प्रयोगशाला टीचर के क्या होते हैं कार्य

प्रयोगशाला टीचर के कार्य कि यदि बात की जाए तो प्रयोगशाला टीचर शब्द से ही यह अंदाजा लगाया जा सकता है, कि ऐसा अध्यापक जो प्रयोगशाला में होने वाली गतिविधियों को सुचारू रूप से चलाने में अपनी मदद करता है। प्रयोगशाला में विद्यार्थियों को नए नए प्रयोग सिखाने और उनके बारे में जानकारी देने में प्रयोगशाला टीचर अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विद्यार्थियों को विज्ञान की कई प्रकार की रियक्शन और गतिविधियों से अवगत करवाता है। प्रयोगशाला टीचर विद्यार्थियों को प्रयोग सिखाता है और लैब की परीक्षाओं में एग्जाम करवाने का काम भी करता है।

कैसे बनें प्रयोगशाला शिक्षक

प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थियों को सबसे पहले 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग के साथ पास करनी होगी। विज्ञान वर्ग के साथ जो विद्यार्थी 12वीं कक्षा पास कर लेता है। उसको नीचे दिए गए निम्नलिखित चरणों को फॉलो करते हुए आगे बढ़ना होगा।

ग्रेजुएशन पूरा करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है। ग्रेजुएशन विज्ञान वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम 50% अंक के साथ पास करना काफी महत्वपूर्ण रहता है।

बीएड की डिग्री हासिल करें : 12 वीं कक्षा विज्ञान वर्ग में पूरा कर चुके विद्यार्थी किसी भी सब्जेक्ट के साथ ग्रेजुएशन कर सकता है।

मास्टर डिग्री यानी की पोस्ट ग्रेजुएशन पूरा करें : ग्रेजुएशन और बीएड की डिग्री लेने के पश्चात उम्मीदवार को पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेनी होती है। पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री लेने पर विद्यार्थी किसी भी एक विषय में मास्टर डिग्री हासिल कर लेता है और उस विषय से संबंधित प्रयोगशाला शिक्षक बनने के लिए योग्य भी हो जाता है। मास्टर डिग्री लेने वाले उम्मीदवार को अब आने वाली प्रयोग शाला शिक्षक भर्ती में आवेदन करने के लिए योग्यता मिल जाती है।

प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन करें : लैब टीचर बनने के लिए उम्मीदवार को सरकार के द्वारा नियमित तौर पर निकाले जाने वाली प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। हालांकि जो विद्यार्थी प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर बनना चाहता है। उस विद्यार्थी के लिए किसी भी भर्ती में आवेदन लगाने की जरूरत नहीं है। विद्यार्थी डिग्री कंप्लीट करने के बाद सीधा किसी भी प्राइवेट विद्यालय में ज्वाइन होकर प्रयोगशाला टीचर पद पर कार्यरत हो सकता है। लेकिन सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के लिए विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर भर्ती में अपना आवेदन लगाना होगा। जब विद्यार्थी प्रयोगशाला टीचर भर्ती में आवेदन लगाता है। तो विद्यार्थी को प्रयोगशाला टीचर की सेलेक्शन प्रक्रिया से गुजरते हुए इस पद को हासिल करना होता है।

कितनी होती है सैलरी : प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर को 15,000 से 25,000 तक की सैलरी मिल जाती है। प्राइवेट विद्यालय में यह सैलरी कोई फिक्स नहीं है। उच्च स्तरीय प्राइवेट विद्यालय में प्रयोगशाला टीचर की सैलरी 50,000 तक भी हो सकते हैं। सरकारी प्रयोगशाला टीचर बनने के बाद उम्मीदवार की सैलरी की बात की जाए तो उम्मीदवार को शुरुआत में 40,000 तक की सैलरी मिलती है और 2 साल की अवधि पूरी होने के बाद उम्मीदवार को पहला प्रमोशन मिलता है। उसके बाद उम्मीदवार को 50,000 से 70,000 की सैलरी और ग्रेड पे के साथ-साथ अन्य कई प्रकार के सरकारी भत्ते की सुविधाएं भी मिलती है।

यह एक बड़ा और महत्वपूर्ण पद, भारी डिमांड

आंगनवाड़ी सुपरवाइजर बन आप चुन सकते हैं एक बेहतर करियर ऑप्शन

जॉब ट्रेंड्स

करियर डेस्क

महिलाओं के लिए बेहद उपयुक्त

आंगनबाड़ी शब्द से आप सभी भलीभांति परिचित होंगे क्योंकि हम सभी के आसपास हमारे गांव में हमारे मोहल्ले कश्मीर वार्ड नगरीय क्षेत्र एवं शहरी क्षेत्र में आंगनवाड़ी केंद्र होते हैं। यह ऐसे सरकारी केंद्र है जहां पर महिला एवं बाल विकास कल्याण का हित देखा जाता है। इसलिए यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर बनकर आप एक बेहतरीन करियर चुन सकते हैं क्योंकि आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एक बड़ा और महत्वपूर्ण पद माना जाता है। आंगनवाड़ी एक सरकारी केंद्र है। जहां पर सरकार की तरफ से विविध प्रकार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इन सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए सुपरवाइजर की नियुक्ति की जाती है। जो 20 से 25 या फिर 30 आंगनवाडी को अपनी देखरेख में सुविधा प्रदान करवाता है। अथवा सुपरवाइजर अपने अंतर्गत आने वाले सभी आंगनवाड़ी केंद्रों को सहायता राशि प्रदान करवाते हैं

विभिन्न प्रकार की सुविधाएं मिलती

आज का समय पूरी तरह से बदल चुका है और वर्तमान समय में सरकार की तरफ से विभिन्न प्रकार की सुविधाएं दी जाती हैं। सरकार विभिन्न प्रकार की सुविधाएं तरह-तरह के केंद्रों से लोगों तक पहुंचाते हैं। आज के समय में महिला और बाल विकास कल्याण पर अत्यधिक जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में महिला और बाल विकास कल्याण मंत्रालय द्वारा आंगनवाड़ी केंद्रों की स्थापना की गई है। आंगनवाड़ी केंद्र हमारे घर के आस-पास हमें देखने को मिल जाते हैं जहां पर महिलाओं और बच्चों को उनके कल्याण और विकास के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है। उनके भरण-पोषण के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार दिया जाता है तथा विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की जाती है इन सब की जिम्मेदारी आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की होती है।

क्या है आंगनवाड़ी

आंगनवाड़ी एक ऐसा सरकारी केंद्र है जो आमतौर पर सरकारी भवन या सरकारी स्कूल के आसपास होता है। यह आंगनवाड़ी के अंदर संपूर्ण भारत में प्रत्येक गांव कस्बे मोहल्ले वार्ड में स्थित है। यहां पर विशेष रूप से गर्भवती महिला और छोटे बच्चों को कुपोषण से बचाया जाता है। सरकार की तरफ से यहां पर तरह-तरह की सुविधा प्रदान की जाती है। आंगनवाड़ी केंद्र को महिला एवं बाल विकास कल्याण द्वारा चलाया जाता है। इसका मुख्य कारण क्षेत्र के अंतर्गत महिला एवं बालक-बालिकाओं का कल्याण तथा विकास हो सकें। इसके लिए सरकार और मंत्रालय द्वारा विभिन्न प्रकार की सुविधाएं विभिन्न प्रकार के कदम उठाए जा रहे हैं। आंगनवाड़ी केंद्रों में गर्भवती महिलाओं की देखभाल की जाती है। गर्भवती महिलाओं को समय-समय पर पोषक तत्वों से भरपूर आहार प्रदान किया जाता है जो उनके शरीर के लिए उपयोगी साबित होता है। इसके अलावा कुपोषण से ग्रसित बच्चों को विभिन्न प्रकार के पोषक तत्व वाले आहार वितरण किए जाते हैं। तरह-तरह की सुविधा और सहायता प्रदान की जाती है ताकि उनका विकास और कल्याण हो सके इसी संदर्भ में हमारे देश में वर्तमान समय में बड़े पैमाने पर महिला और बाल विकास कल्याण पर जोर दिया जा रहा है।

कौन होता है आंगनवाड़ी सुपरवाइजर

आंगनवाड़ी केंद्र को चलाने के लिए एक स्थानीय महिला नागरिक ही होती है। परंतु किसी ब्लॉक या तहसील के अंतर्गत आने वाले कम से कम 20-25 से लेकर 30 आंगनवाड़ी केंद्रों को संभालने की जिम्मेदारी एक व्यक्ति विशेष को दी जाती है जिसे आंगनवाड़ी सुपरवाइजर कहा जाता है यह एक महत्वपूर्ण पद है। इसीलिए इस पर सरकार द्वारा परीक्षा का आयोजन करवाया जाता है इस परीक्षा को पास करने के बाद मेरिट लिस्ट में स्थान प्राप्त करके आंगनवाड़ी सुपरवाइजर बन सकते हैं। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की भूमिका बहुत बड़ी होती है क्योंकि उसके अंतर्गत 30 आंगनवाड़ी केंद्र आते हैं। जहां पर समय-समय पर जरूरत के हिसाब से वह सरकार द्वारा प्रचारित की गई योजनाओं का लाभ पहुंचाना होता है। अंतर्गत आने वाली आंगनवाड़ी केंद्र पर सही ढंग से कार्य हो रहा है या नहीं इस बात की जिम्मेदारी भी आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की होती है। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर अपनी जिम्मेदारी से अंतर्गत आने वाली सभी आंगनवाड़ी केंद्रों की देखभाल और वहां पर सरकार की तरफ से जारी की गई योजनाओं का लाभ पहुंचाना एवं आंगनवाड़ी केंद्र पर जरूरी और महत्वपूर्ण सहायता प्रदान कराना होता है। आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की डिमांड आज के समय में बहुत ज्यादा है क्योंकि आज के समय में ज्यादातर लोग सरकारी नौकरी करना चाहते हैं।

योग्यता

- आंगनवाड़ी सुपरवाइजर बनने के लिए कम से कम 12वीं कक्षा पास किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से होनी चाहिए।
- अभ्यर्थी किसी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान से ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 21 वर्ष से ही होनी चाहिए।
- आंगनवाड़ी सुपरवाइजर बनने के लिए अधिकतम 40 वर्ष आयु सीमा निर्धारित की गई है।
- भारत के कुछ राज्यों में आंगनवाड़ी सुपरवाइजर बनने की आयु सीमा 18 वर्ष रखी गई है।

कैसे बनें सुपरवाइजर

आंगनवाड़ी केंद्र का सुपरवाइजर बनने के लिए आपको सबसे पहले सब सरकार द्वारा आयोजित आंगनवाड़ी सुपरवाइजर भर्ती में आवेदन करना होगा। इसके बाद लिखित परीक्षा पास करनी होगी। लिखित परीक्षा सामान्य तौर पर 100 अंको की होती है। परीक्षा में पास होने के बाद आपको इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। अगर आप अच्छी तरह से इंटरव्यू देते हैं तो आपको इंटरव्यू के बाद सुपरवाइजर बना दिया जाता है क्योंकि इंटरव्यू को आप ने पास कर दिया है। लेकिन अगर आप पास नहीं कर पाते हैं तो आपको अगले वर्ष फिर से सुपरवाइजर का एग्जाम देना होगा।

भर्ती प्रक्रिया

आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की भर्ती कैसे होती है यह जानने के लिए आपको निम्नलिखित चरणों को समझना होगा:

- सबसे पहले आंगनवाड़ी द्वारा निकली भर्ती के लिए अप्लाई करें
- एप्लिकेशन फॉर्म भरने के बाद परीक्षा देनी होगी
- सबसे पहले लिखित परीक्षा पास करें
- लिखित परीक्षा पास करने के बाद साक्षात्कार (इंटरव्यू) होगा
- इंटरव्यू में पास होने के पश्चात आंगनवाड़ी सुपरवाइजर के लिए चयन किया जाएगा।

अच्छा सैलरी पैकेज

आंगनवाड़ी सुपरवाइजर का एक पद महत्वपूर्ण पद माना जाता है। यहां पर काफी सम्मान मिलता है क्योंकि इस पद के अंतर्गत आपको विभिन्न आंगनवाड़ी केंद्रों की जिम्मेदारी उठानी होगी। आमतौर पर 10 से 15 या 20 से 25 आंगनवाड़ी केंद्र एक सुपरवाइजर के अंतर्गत आते हैं। लेकिन कभी कबार आपको 30 आंगनवाड़ी केंद्रों की जिम्मेदारी भी उठानी पड़ सकती है और यह जिम्मेदारी उठाना कोई आम बात नहीं है। इस दौरान आपको अच्छी तरह से अपने कर्तव्य का पालन करना होता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आंगनवाड़ी सुपरवाइजर की सैलरी आमतौर पर 20,000 से 40,000 के बीच होती है। यह एक सरकारी नौकरी है इसीलिए आपको वेतन के अलावा विभिन्न प्रकार की सुविधाएं भी मिल जाते है।

डिजिटल प्रौद्योगिकी का युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

डिजिटल प्रौद्योगिकी के अविष्कार ने हमारे समाज को नई दिशा दी है, लेकिन इसके साथ ही यह भी सत्य है कि इसके प्रभाव कुछ चुनौतियों के साथ आते हैं, खासकर युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर। युवा पीढ़ी को डिजिटल दुनिया में उत्साहित होने के कई लाभ हैं, लेकिन इसके साथ ही वे इसके नकारात्मक प्रभावों का शिकार भी हो रहे हैं। एक प्रमुख चुनौती यह है कि युवा पीढ़ी अब अधिक समय अपने स्मार्टफोन, कंप्यूटर और इंटरनेट पर बिता रही है। इससे उनकी सोचने की क्षमता, सामाजिक संबंध, और व्यक्तित्व पर असर पड़ रहा है। अधिक समय डिजिटल मीडिया में बिताने से वे अक्सर अलगाव, उदासी, और दबे हुए महसूस कर सकते हैं।

स्मार्टफोन से नींद होती प्रभावित

एक और महत्वपूर्ण प्रभाव यह है कि डिजिटल मीडिया में अधिक समय बिताने से नींद की समस्याएं बढ़ती हैं। युवा पीढ़ी को अपने स्मार्टफोन के साथ रात को बिस्तर में समय बिताने की आदत हो गई है, जो उनकी नींद को प्रभावित करती है और उन्हें अनियमित नींद की समस्या का सामना करना पड़ता है। नींद की कमी से उनका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है और यह उन्हें तनाव, उदासी, और अन्य मानसिक समस्याओं की ओर खींच सकता है। युवाओं के लिए डिजिटल जगत में ऑनलाइन बुलाईंग भी एक बड़ी चुनौती है। सोशल मीडिया पर बुलाईंग और ऑनलाइन अपहरण की मामले बढ़ रहे हैं, जिससे उनका स्वाभाविक विकास प्रभावित हो रहा है और उन्हें डर और उदासी का सामना करना पड़ सकता है। इस समस्या का हल ढूंढने के लिए, हमें युवाओं को डिजिटल संसाधनों का सही उपयोग सिखाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। स्क्रीन समय को सीमित रखना, सक्रिय रहने के लिए बाहर जाना, और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाए रखना युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है। साथ ही, सरकारों, शैक्षणिक संस्थाओं, और समाज को को डिजिटल शिक्षा में और युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। सरकारें और शैक्षणिक संस्थाएं डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में और नए और सक्रिय तरीकों का उपयोग करके युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती हैं। समाज के सभी स्तरों पर जागरूकता फैलाने के लिए अधिक सामाजिक पहलुओं की आवश्यकता है, जो युवाओं को सही दिशा में प्रेरित कर सके। अतिरिक्त रूप से, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल तरीके से पहुंचाने के लिए नए और विनामूल्य संसाधनों का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह सेवाएं ऑनलाइन माध्यमों के माध्यम से उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि युवा अपनी मानसिक समस्याओं को साझा करने और समाधान के लिए सहायता प्राप्त कर सकें। इस प्रकार, डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके हम युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को समर्थ बनाने और उन्हें स्वस्थ और सकारात्मक जीवन जीने के लिए समर्थ बना सकते हैं। यह हमारी सामाजिक दायरे को बढ़ाने और स्वस्थ समाज की बुनियाद रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आसान पैसे कमाने की लालसा और वित्तीय धोखाधड़ी

आधुनिक दुनिया में युवा पीढ़ी आसानी से पैसे कमाने की लालसा में डूबी हुई नजर आती है, जिसका एक बड़ा कारण है क्रिप्टोकरेंसी। क्रिप्टोकरेंसी एक विशेष प्रकार की डिजिटल मुद्रा है, जो कि ब्लॉकचेन तकनीक के माध्यम से संरक्षित होती है। यह एक नई और अभिनव तकनीकी उपाधि होने के साथ-साथ वित्तीय निवेश का भी एक रूचिकर क्षेत्र बन चुका है। क्रिप्टोकरेंसी की प्रमुख विशेषता यह है कि इसमें निवेश करने के लिए बहुत कम धन की आवश्यकता होती है। यही कारण है कि युवा जो अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने के इच्छुक होते हैं, वे इसमें निवेश करने के लिए प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन इस लालसा के पीछे छिपे अनेक खतरे हो सकते हैं। क्रिप्टोकरेंसी वित्तीय बाजार में अभी भी बहुत अनियमित होती है और इसमें अधिकतर निवेशक अपने पूंजी को खो सकते हैं। साथ ही, क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं। धोखाधड़ी लोग नकली क्रिप्टोकरेंसी के नाम पर अपनी शिकार बनाते हैं और युवाओं को अपने जाल में फंसा देते हैं। इस समस्या का हल ढूंढने के लिए, सरकारों को और वित्तीय निकायों को अपनी क्रिप्टोकरेंसी के नियमों को सख्त करने और धोखाधड़ी के मामलों को निपटाने के लिए कड़ी कार्रवाई करने की आवश्यकता है। युवाओं को इस बात का भी ध्यान देना चाहिए कि पैसे कमाने का रास्ता हमेशा आसान नहीं होता है, और वे अपने निवेशों को सावधानी से करें। वित्तीय शिक्षा और बाजार की समझ उन्हें वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव में मदद कर सकती है। इस प्रकार, युवा पीढ़ी को आसान पैसे कमाने की लालसा से दूर रहकर, समझदारी से निवेश करने की आवश्यकता है, ताकि वे अपने भविष्य को सुरक्षित बना सकें। समझदारी से निवेश करना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह निवेशकों को वित्तीय स्थिरता और सुरक्षा के लिए एक मार्गदर्शक दृष्टिकोण प्रदान करता है।

सामान्य ज्ञान

1. यंग प्रत्यास्थायता गुणांक का एसआई मात्रक है
(ए) डाइन/सेमी.
(बी) न्यूटन/मी.
(सी) न्यूटन/मी.^{2}
(डी) मी.^{2}/से.

2. निम्नलिखित युग्मों में से किन भौतिक राशियों के सामान विमीय सूत्र नहीं है ?
(ए) बल एवं दाब
(बी) कार्य एवं उर्जा
(सी) आवेग एवं संवेग
(डी) भार एवं बल

3. एक खगोलीय इकाई संबंधित है -
(ए) सूर्य एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(बी) चन्द्रमा एवं पृथ्वी के बीच की दूरी से
(सी) सूर्य, चन्द्रमा के बीच की दूरी से
(डी) उपरोक्त में से कोई नही

4. निम्नलिखित में से कौन-सी अविमीय राशि है ?
(ए) विकृति
(बी) श्यानता गुणांक
(सी) गैस नियतांक
(डी) प्लांक नियतांक

5. निम्नलिखित में से कौन एक सदिश राशी नही है
(ए) संवेग
(बी) वेग
(सी) कोणीय वेग
(डी) द्रव्यमान

6. अदिश राशी है
(ए) उर्जा
(बी) बल आघूर्ण
(सी) संवेग
(डी) उपरोक्त सभी

7. निम्नलिखित में से कौन सी एक सदिश राशी है
(ए) संवेग
(बी) दाब
(सी) उर्जा
(डी) कार्य

8. निम्नलिखित में से कौन सी राशी सदिश नही है
(ए) विस्थापन
(बी) वेग
(सी) बल
(डी) आयतन

उत्तर 1.(सी) 2.(ए) 3.(ए) 4.(ए) 5.(डी) 6.(ए) 7.(ए) 8.(डी)

नशे के सौदागरों पर लगातार किया जा रहा प्रहार : डीएसपी

युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए धौलेड़ा में खेल प्रतियोगिता करवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

पुलिस ने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए एक नई पहल की शुरूआत की हुई है। जिसके तहत पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा के निर्देशानुसार जिले के युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए गांवों में खेल प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करवाई जा रही हैं। खेल एक ऐसा माध्यम है, जिसके जरिए युवा अपनी ऊर्जा को सही दिशा में केंद्रित कर सकते हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को निजामपुर के गांव धौलेड़ा में पुलिस ने खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया। जिसमें उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय हरदीप सिंह मुख्यातिथि के तौर पर पहुंचे।

इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने की सलाह दी। डीएसपी ने कहा कि नशे की बुराई बच्चों का जीवन सीमित कर देती है। वहीं परिवार व समाज को भी चाहिए कि बच्चों को नशे से दूर रखने के लिए अनुकूल वातावरण उपलब्ध करवाएं।

नारनौल। खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेते युवा। फोटो : हरिभूमि

उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग की ओर से भी नशे के सौदागरों पर लगातार प्रहार किया जा रहा है। वहीं लोगों से भी आग्रह है कि नशे की बुराई को छिपाएं नहीं। वहीं समाज के ऐसे तत्वों को उजागर करने के लिए आगे आएं, ताकि युवा पीढ़ी नशे की बुराई से बच सकें।

डीएसपी ने गांव के स्टेडियम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई और युवाओं को नशा ना करने का संदेश दिया। इस अवसर पर गांव के स्टेडियम में वॉलीबाल, रस्सा-कसी तथा 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। वॉलीबॉल की प्रतियोगिता गांव धौलेड़ा के युवाओं व पुलिस जवानों के बीच करावई गई। जिसमे गांव धौलेड़ा की टीम ने जीत हासिल की। विजेता टीम को डीएसपी ने ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। रस्साकसी खेल प्रतियोगिता गांव धौलेड़ा की टीमों के बीच करवाई गई। इसके बाद 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर की दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

डीएसपी ने कहा कि पुलिस विभाग ने खेल विभाग के साथ मिलकर यह मुहिम चलाई है। जिसमें गांव ने जाकर युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। इस मुहिम के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा युवाओं को खेलों, शिक्षा से जोड़ने और नशे से दूर रखने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि अगर गांव में किसी प्रकार का अवैध नशा, अवैध गतिविधि हो रही हो तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें, सूचना देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। डीएसपी ने कहा कि जब प्रत्येक व्यक्ति अपने गांव, गली व मोहल्ला की पूरी जिम्मेवारी लेगा तथा ना तो वह स्वयं नशा करेगा और ना ही अपने आसपास नशा बिकने देगा, तभी हम इस अभियान में पूरी तरह से सार्थक साबित होंगे। डीएसपी ने इस दौरान मौजूद सभी ग्रामीणों, युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाई।

महेंद्रगढ़। प्रवक्ताओं को सम्मानित करते एसडीएम संजीव कुमार। फोटो : हरिभूमि

प्रवक्ताओं को एसडीएम ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

■ 12वीं में 100 में से 100 अंक प्राप्त पाने वाले छात्रों के हैं प्रवक्ता

उपमंडल कार्यालय में शुक्रवार को एसडीएम संजीव कुमार ने 12वीं कक्षा में 100 में से 100 अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के प्रवक्ताओं को सम्मानित किया। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खुडाना के वरिष्ठ प्रवक्ता दिनेश शर्मा के गणित विषय में पांच छात्र-छात्राओं ने 100 में से 100 अंक प्राप्त किए एवं राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पथरवा के वरिष्ठ प्रवक्ता राजपाल यादव के भूगोल विषय में चार छात्र-छात्राओं ने 100 में से 100 अंक प्राप्त करने पर उपमंडल अधिकारी नागरिक संजीव कुमार ने अपने कार्यालय में बुलाकर उन्हें स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

उपमंडल अधिकारी संजीव कुमार ने कहा कि हमारे जिले के बच्चे इसी तरह टॉपर आते रहे और अपने जिले व प्रदेश का नाम रोशन करते रहे। जिला रेडक्रॉस सोसायटी उपमंडल कोऑर्डिनेटर एवं मिशन महेंद्रगढ़ अपना जल टीम सदस्य राजेश शर्मा झाड़ली ने बताया कि 12वीं कक्षा का रिजल्ट पूरे हरियाणा में जिला महेंद्रगढ़ पहले स्थान पर रहा। यह हमारे लिए व जिले के लिए गौरव की बात है। इस अवसर पर प्राचार्य उमेद सिंह, प्राचार्य अशोक माधव, अधीक्षक सुदेश पूनिया, आशुलिपिक ब्रह्मानंद व मनोज कुमार मित्तल मौजूद थे।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

विदेशी पार्सल डिलीवर करने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी काबू

नारनौल। साइबर थाना पुलिस टीम ने विदेशी पार्सल डिलीवर करने के नाम पर कस्टम ड्यूटी पे करने के जरिए धोखाधड़ी करके रुपये ठगने के मामले में संलिप्त एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान अली ट्राओरी वासी टूबा हाल आबाद विजय नगर मोहन गार्डन उत्तम नगर दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित का पता लगाकर उसे दिल्ली क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। आरोपित को शुक्रवार को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस की ओर से आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि शिकायतकर्ता ने ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई कि 24 मई 2023 को उसके पास अज्ञात नंबर से आई। कॉलर ने कहा कि वह एयरपोर्ट से बोल रही है, आपके नाम से पार्सल आया हुआ है, जिसमें विदेशी रुपये हैं। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके पास किसी ने पार्सल नहीं भेजा है। कॉलर ने उसके पास पार्सल से संबंधित कागजात भेजे, जिन पर शिकायतकर्ता ने विश्वास कर लिया। इसके बाद कॉलर ने कहा कि अगर आपको पार्सल चाहिए तो कस्टम ड्यूटी पे करनी पड़ेगी। जिस पर शिकायतकर्ता ने 129999 रुपये डाल दिए। जिसके बाद बार-बार टैक्स की बात करके जालसाजों ने उसके साथ धोखाखड़ी करके 12 लाख 89 हजार 999 रुपये ट्रांसफर करवा लिए। शिकायतकर्ता को लगा कि उसके साथ साइबर फ्रॉड हो गया है, तो उसने हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करके शिकायत दर्ज करवाई। शिकायत साइबर थाना की टीम के पास पहुंची। टीम ने साइबर ठगी के मामले की संबंधित जानकारी जुटाकर मामला दर्ज कर लिया है।

राजकीय विद्यालय में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

■ 14 में से 11 विद्यार्थियों ने 12वीं की परीक्षा में मेरिट में स्थान पाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डालनवास में शुक्रवार को सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। विद्यालय के 14 में से 11 विद्यार्थियों ने 12वीं के परीक्षा परिणाम में मेरिट में स्थान पाया हैं।

इस दौरान विद्यालय के विद्यार्थियों को फूलमाला व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। सरपंच सुनीता देवी व ग्रामीणों ने सभी अध्यापक व प्राचार्य का आभार जताया। प्रधान राजकपुर लांबा ने बताया कि जब से प्राचार्य रमन शास्त्री ने यहां कार्यभार ग्रहण किया तब से विद्यालय प्रगति के पथ पर हैं।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विद्यालय में हरे-भर पौधे, हर कोने पर वाशरूम, डिजिटल बोर्ड सहित अनेक सुविधा हैं। इसके अलावा विद्यालय के विद्यार्थी समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी हिस्सा लेते हैं।

विद्यालय के सभी अध्यापक मेहनत, कर्मठता व लग्न के साथ कड़ी मेहनत करवा रहे है। इस मौके पर सरपंच सुनीता देवी, राजकपुर लांबा, समाजसेवी पूर्व संरपंच महासिंह, कैप्टन प्रवीन, वीरप्रकाश कोच, सरपंच ओमवीर, रामकिशन, सतबीर, प्रधान कविता, अंजू, प्राचार्य रमन शास्त्री सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

लोकतंत्र और समाज के सजग प्रहरी होते हैं पत्रकार : डॉ. पवित्रा राव

■ आरपीएस विद्यालय में विद्यार्थी हुए पत्रकारों से रूबरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

पत्रकार लोकतंत्र व समाज का सजग प्रहरी है, जिन्हें कलम का जादूगर भी कहा जाता है। इनका मुख्य उद्देश्य केवल खबरों को लिखना या छापना नहीं होता, इनका प्रमुख उद्देश्य समाज का सामना सत्य से करवाना होता है। हर वर्ष तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य प्रेस स्वतंत्रता के महत्व के बारे में समाज में जागरूकता बढ़ाना है। विद्यार्थी जीवन में विद्यार्थियों का परिचय पत्रकारों की पत्रकारिता और इसके महत्व से परिचित होना चाहिए, ताकि लोकतंत्र में प्रेस की भूमिका को समझा जा सके। उपरोक्त विचार विश्व प्रेस स्वतंत्रा दिवस पर आरपीएस विद्यालय खातोद में आयोजित कार्यक्रम के दौरान चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव द्वारा व्यक्त किए गए। कार्यक्रम में शामिल हुए पत्रकारों को आरपीएस ग्रुप की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने की। कार्यक्रम में मंच संचालन प्रीतिका शर्मा ने करते हुए समाज में प्रेस की भूमिका के बारे में बताया। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि पत्रकारिता किसी भी राष्ट्र के सिंहासन का दर्पण होता है, जो सिंहासन के समक्ष प्रजा का पक्ष रखती है। प्रेस के उद्देश्य समाज में विचारों का आदान-प्रदान करना है, ताकि मानव की सोच में व्यापकता आए। आज के समय में प्रेस की स्वतंत्रता ही सही मायनों में एक स्वस्थ और जीवंत समाज के लिए बेहद आवश्यक है। सीईओ इंजी. मनीष राव ने कहा कि प्रेस में जीवन समर्पित करने वाले हर पत्रकार का सम्मान, समृद्धशाली राष्ट्र का सम्मान है। विश्व प्रेस दिवस एक स्वस्थ और कार्यशील लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र प्रेस के महत्व को रेखांकित करता है। प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता का अर्थ है समाज के समक्ष, समाज की पीड़ाओं की आवाज बनना। ईमानदारी से की गई पत्रकारिता ने सदैव ही समाज की चेतना को जगाए रखने का कार्य किया है।

महेंद्रगढ़। तुलसी का पौधा देकर सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। ऑनलाइन कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ। फोटो : हरिभूमि

■ चुनाव रिपोर्टिंग में पत्रकार को फील्ड में होना चाहिए

स्वतंत्र पत्रकारिता लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बड़ी ताकत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

■ हकेंवि में विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर कार्यशाला आयोजित

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में चुनाव रिपोर्टिंग कौशल एवं अभ्यास पर केंद्रित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यशाला के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यशाला में पत्रकार एवं संपादक अमरनाथ वशिष्ठ ने कहा कि निष्पक्ष एवं स्वतंत्र पत्रकारिता ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है। जब पत्रकारिता निष्पक्ष होती है तो लोगों का उसमें विश्वास बढ़ता है। यही विश्वास लोकतंत्र को एक नई उर्जा एवं ताकत देता है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी के पत्रकारों का यह दायित्व है कि वे पत्रकारिता की स्वतंत्रता एवं उसकी विश्वसनीयता के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र की आत्मा एवं देश के लिए सबसे बड़ा महापर्व है। उन्होंने कहा कि चुनाव रिपोर्टिंग में एक पत्रकार को हमेशा फील्ड पर होना चाहिए व ग्राउंड जीरो से रिपोर्ट करना चाहिए। कार्यशाला में टीवी एंकर एवं पत्रकार कीर्ति शर्मा ने कहा कि जो लोग भारत को समझना चाहते हैं, उसकी विविधता के दर्शन करना चाहते हैं।

आरपीएस डिग्री कॉलेज के गौरव विकल अंडर-20 नेशनल के लिए हरियाणा फुटबॉल टीम में चयनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

आरपीएस डिग्री कॉलेज के छात्र गौरव विकल का नेशनल फुटबॉल टीम में खेलने के लिए हरियाणा टीम में चयन हुआ। संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजि. मनीष राव, डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव, प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान, डीन डॉ. यशपाल शर्मा ने चयनित छात्र को बधाई देते हुए जीत की बधाई दी।

कॉलेज डीन डॉ. यशपाल शर्मा ने बताया कि कॉलेज का छात्र गौरव विकल शिक्षा के साथ-साथ फुटबॉल खेल में भी प्रतिभावान रहा है। अब एआईएफएफ द्वारा टूर्नामेंट जो हाल ही में छत्तीसगढ़ में दो मई से 10 मई तक आयोजित होंगे, जिसमें अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले कॉलेज के छात्र गौरव विकल का चयन हुआ है।

महेंद्रगढ़। खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

■ फुटबॉल टीम में हरियाणा की तरफ से 18 सदस्य शामिल

फुटबॉल कोच विक्रम सिंह ने कहा कि इस टीम में हरियाणा प्रदेश की तरफ से फुटबॉल की 18 सदस्यी टीम बनी है, जिसमें कॉलेज से एक छात्र गौरव विकल का चयन हुआ है। यह अपने आप में क्षेत्र के लिए बहुत बड़ी बात है। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि आरपीएस कॉलेज के अत्याधुनिक व नवतकनीकी आधारित खेल ग्राऊंड, अनुभवी प्रशिक्षकों की कठिन मेहनत के परिणाम स्वरुप क्षेत्र की प्रतिभाएं शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी पूरे भारत में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं। यह हम सब के लिए गौरव की बात है। कॉलेज रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव ने कहा कि क्षेत्र में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उनका सपना है कि यहां के बच्चे भी रोनाल्डो जैसे खिलाड़ी बनकर देश का नाम अंतर राष्ट्रीय स्तर पर रोशन करें।

पिंरसिपल डॉ. देवेन्द्र कादयान ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ कॉलेज में विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास के लिए अत्याधुनिक खेल ग्राऊंड व खेल सामान की बेहतरीन व्यवस्था है। प्रशिक्षक विद्यार्थियों के सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं, जिसके अनुसार विद्यार्थी प्रत्येक खेल प्रतियोगिता में शीर्ष पर रहकर अभिभावक व प्रशिक्षकों का नाम रोशन करते हैं। इस मौके पर डीपीई अमित, रमेश, नवीन व उमेद आदि उपस्थित रहे।

एप के जरिए शेयर मार्केट में निवेश महंगा पड़ा, साइबर ठगों ने लगा दिया चूना

रेवाड़ी। सेक्टर-4 निवासी एक व्यक्ति को एप के जरिए शेयर मार्केट में निवेश करना उस समय महंगा पड़ गया, जब साइबर ठगों ने उसे लगभग 1.45 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना दिया। मॉडल टाउन थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में सेक्टर निवासी विकास यादव ने बताया कि वह शेयर मार्केट में निवेश करने का काम करता है। उसने एक एप डाउनलोड की थी, जिससे वह एप के जरिए पैसा निवेश करता रहा। साइबर ठगों ने शेयरों में निवेश करने के नाम पर उसे ठगी का शिकार बना दिया।

सड़क हादसे में सेवानिवृत्त सैनिक की मौत

रेवाड़ी। रोहड़ाई के निकट ट्रैक्टर की टक्कर से स्कूटी सवार सेवानिवृत्त सैनिक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। पाली निवासी सेवानिवृत्त सैनिक अशोक कुमार घर से स्कूटी लेकर झज्जर के कुलाना के लिए निकला था। रोहड़ाई के निकट एक ट्रैक्टर ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में अशोक गंभीर रूप से घायल हो गया। गुरावड़ा निवासी मुनेश ने एंबुलेंस की मदद से अशोक कुमार को ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस के जांच अधिकारी ने मोबाइल फोन की सिम अपने फोन में डालकर उसके परिजनों को सूचना दी।

मंडी अटेली। मिर्जापुर-बाछौद में प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए। फोटो : हरिभूमि

चार दिवसीय फाउंडेशन लिटरेसी और न्यूमैरेसी प्रशिक्षण संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मिर्जापुर-बाछौद में नई शिक्षा नीति के तहत चार दिवसीय ट्रेनिंग का शुक्रवार को समापन हो गया। समापन पर जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान तथा जिला कॉऑर्डिनेटर विक्रम सिंह उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर के रूप में बिहाली कलस्टर की एबीआरसी रेखा, सुरेंद्र, मंजू, राजीव, सरला, सोनू व जॉनी रहे। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी संतोष चौहान ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों का स्तर में भाषा में गणित में दक्षता हासिल करने संबंधी बिंदुओं पर जानकारी दें। कक्षा 4 व 5 में लागू होने वाले फाउंडेशन लिटरेसी और न्यूमैरेसी के बारे में जानकारी दी। इसमें बताया कि बच्चों की पुस्तके दिवस के अनुसार बनाई गई है। सभी पाठ चित्र आधारित हैं, जिससे बच्चों का अधिगम स्तर में सुधार होगा। जिला कोऑर्डिनेटर विक्रम ने हिंदी और गणित का हमारे दैनिक जीवन में उपयोग होने के महत्व के बारे में बताया। मास्टर ट्रेनर रेखा ने गणित में होने वाली गतिविधियां बोर्ड गेम के बारे में बताई, जिसमें अध्यापकों ने विशेष रुचि दिखलाई। उन्होंने कहा कि बोर्ड गेम से बच्चों का अधिगम स्तर में सुधार भी होगा और बच्चे खेल-खेल में गणित को सीख पाएंगे। प्रशिक्षक शिविर में जिला शिक्षा अधिकारी की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इस अवसर पर प्रशिक्षक कृष्ण कुमार, संजय सरला, सुनीता, रामकिशन, इंदू, रविकांत व सुनील सहित 80 प्रशिक्षार्थियों ने प्रशिक्षण लिया।

न्यायिक परिसर के एडीआर सेंटर में प्रेस फ्रीडम डे पर सेमिनार का आयोजन

लोगों की आवाज उठाने का काम करता है मीडिया : सीजेएम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

■ चुनौतियों के बावजूद सच्चाई को आगे लाता है मीडिया

जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम शैलजा गुप्ता ने कहा कि मीडिया लोगों की आवाज को उठाने का काम करता है। किसी भी प्रजातांत्रिक देश में मीडिया की भूमिका बहुत बड़ी होती है। यह लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है। चुनौतियों के बावजूद मीडिया सच्चाई को आगे लाने का कार्य करता है। गुप्ता शुक्रवार को न्यायिक परिसर में स्थित एडीआर सेंटर में प्रेस फ्रीडम डे पर आयोजित सेमिनार कम वर्कशॉप में मीडिया कर्मियों से बातचीत कर रही थी। इस सेमिनार में पत्रकारों ने भी आज की पत्रकारिता पर अपने विचार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सीजेएम ने कहा कि संविधान ने हम सबको अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्य पालन की जिम्मेदारी भी दी है। देश में सभी स्तंभ बेहतरीन तरीके से अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहे हैं।

नारनौल। प्रेस फ्रीडम डे पर आयोजित सेमिनार में संबोधित करती सीजेएम शैलजा गुप्ता। फोटो : हरिभूमि

यही कारण है कि आज विश्व में सबसे बड़ा प्रजातांत्रिक देश है। उन्होंने कहा किसी समस्या को समाज के सामने लाने का सबसे सशक्त माध्यम मीडिया है। देश में कई ऐसे मामले हुए हैं, जिसमें मीडिया ने बहुत बड़ी भूमिका निभाते हुए न्याय दिलाने में सहयोग किया है। सीजेएम ने कहा कि भारत में प्रेस की स्वतंत्रता भारतीय संविधान के अनुच्छेद-19 में भारतीयों को दिए गए अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार से सुनिश्चित होती है। विश्व स्तर पर प्रेस की आजादी को सम्मान देने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा की ओर से तीन मई को विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस घोषित किया गया। जिसे विश्व प्रेस दिवस के रूप में भी जाना जाता है।

उन्होंने कहा कि संविधान के अनुसार हम सबको एक दायरे में रहते हुए कार्य करना होता है। कभी भी उस दायरे से बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस मौके पर विभिन्न मीडिया कर्मी मौजूद थे।

ताला तोड़कर बैट्री की दुकान में हजारों की चोरी

कसोला। जड़थल में चोर वीरवार की रात एक दुकान का ताला तोड़कर हजारों रुपये की बैट्री चोरी कर ले गए। पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद जांच शुरू कर दी। जड़थल निवासी सतीश कुमार ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसने गांव की सुब्बा मार्केट में इन्वर्टर-बैट्री की दुकान की हुई है। शाम को वह दुकान बंद करने के बाद अपने घर चला गया था। शुक्रवार को सुबह 8 बजे जब वह दुकान पर पहुंचा, तो दुकान का ताला टूटा हुआ था। चोर दुकान से 5 नई व 4 पुरानी बैट्री चोरी कर ले गए। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आसपास के सीसीटीवी कैमरों से चोरों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

सूचना

मैं, राजबीर पुत्र श्रीराम निवासी सतनाली उपतहसील सतनाली जिला महेन्द्रगढ़, हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र कृष्ण कुमार व पुत्रवधु मनीषा मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सूचना

मै सुन्दर लाल पुत्र राम सिंह वासी ग्राम सुरानी तहसील अटेली जिला महेंद्रगढ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र रक्षित मेरे कहने सुनने से बाहर है और मेरा कोई कहना नहीं मानता है। इसलिए मै उसको अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उससे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

खबर संक्षेप

नारनौल। स्कूल का निरीक्षण करते सुभाष चंद सामरिया व अन्य।

समन्वयक अधिकारी ने किया स्कूल का निरीक्षण

नारनौल। जिला परियोजना समन्वयक अधिकारी सुभाष चंद सामरिया व एपीसी हरमिंद्र सिंह यादव ने शुक्रवार को पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नांगल दर्गू का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की सभी व्यवस्थाएं जैसे पीने का पानी, शौचालय, मिड-डे-मिल, कक्षा-कक्ष, एनएसक्यूएफ लैब, नवनिर्मित साइंस लैब व विद्यालय प्रांगण साफ व सुंदर पाया गया। जिसमें मिड-डे-मिल की गुणवत्ता को भी चेक किया, जिसमें भोजन बहुत ही स्वादिष्ट पाया गया। विद्यालय प्रभारी अनिल कुमार शर्मा को विद्यालय की सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के लिए जमकर सराहना की। इस मौके पर आरएस भोपा, प्रवेश यादव डीपीई, त्रिभुवन, शालिनी, हिमांशु, दिनेश, दर्शन सैन आदि मौजूद थे।

शिवालिक शिक्षा सदन का छात्र सुबोध रहा प्रथम

नारनौल। शिवालिक शिक्षा सदन स्कूल मंढ़ाणा के छात्र सुबोध यादव पुत्र मंजीत यादव गांव भूषण खुर्द ने हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड से 12वीं कक्षा नॉन मेडिकल संकाय में 500 में से 485 यानि 98 प्रतिशत अंक प्राप्त करके जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। संचालक सुरेंद्र सिंह ने बताया कि सुबोध स्कूल में कक्षा से नर्सरी से ही पढ़ रहा है। स्कूल स्टाफ व मैनेजमेंट ने इसके लिए सुबोध को बधाई के साथ शुभकामनाएं दी।

बालवाटिका से तीसरी कक्षा के विद्यार्थी डेढ़ घंटा हिंदी, एक घंटा गणित व अंग्रेजी की करेंगे पढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- बालवाटिका से तीसरी कक्षा तक एफएलएन के तहत होगी समय सारिणी
- स्कूलों की सामान्य समय सारणी की गई तैयार

राजकीय स्कूलों में अब बाल वाटिका से तीसरी कक्षा तक एफएलएन के तहत विद्यार्थियों को अब समय सारिणी के अनुसार पढ़ाया जाएगा। इससे विद्यार्थियों को प्रत्येक विषय के लिए बेहतर समय मिलेगा। इसमें हिंदी, गणित व अंग्रेजी विषय के लिए शिक्षण समय निर्धारित किया जाएगा, ताकि इन विषयों में विद्यार्थियों को निपुण बनाया जा सके। इसके लिए हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों के माध्यम से स्कूलों को पत्र लिखे हैं। निपुण हरियाणा मिशन के दिशा-निर्देशों के तहत यह बहुत महत्वपूर्ण है कि विद्यार्थियों को मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान में निपुण बनाने के लिए हिंदी, गणित और अंग्रेजी विषयों में पर्याप्त शिक्षण समय मिलना आवश्यक है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के लिए एक सामान्य समय-सारिणी तैयार की गई है। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद का मानना है कि इस समय सारिणी का पालन करने से विद्यार्थियों को अपनी दैनिक रूपरेखा ध्यान रहेगी और अध्यापकों को भी दैनिक एवं साप्ताहिक योजनाएं बनाने व क्रियान्वयन में अतिरिक्त समय मिलेगा।

महेंद्रगढ़। खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

विद्यार्थी 90 मिनट पढ़ेंगे हिंदी

इस समय सारणी में दैनिक आधार पर कक्षा एक से तीन तक 90 मिनट हिंदी के लिए, 60 मिनट गणित के लिए और 60 मिनट अंग्रेजी पढ़ाने के लिए दिए गए हैं। दोपहर 12:50 से 1:30 तक की समय अवधि का प्रयोग अध्यापक शैक्षणिक आवश्यकता के अनुसार कर सकते हैं। इसमें खेल, लाइब्रेरी, शिल्प गतिविधियां और ईवीएस को शामिल किया जाना है। दिवस समापन समय के दौरान शिक्षक दिन में पढ़ाए गए विषयों से मिली सीख को दोहराए, विद्यार्थियों की ओर से पूछे जा रहे प्रश्नों पर चर्चा कर विद्यार्थियों को अगले दिन की रूपरेखा के लिए उत्साहित करें।

आदेशों की पालना की जाएगी सुनिश्चित

खंड शिक्षा अधिकारी अलका का कहना है कि हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद् की ओर जारी किए गए आदेश मिल चुके हैं। स्कूलों को बाल वाटिका से कक्षा तीसरी की नई समय सारिणी के बारे में अवगत कराया जा रहा हैं। नए समय सारिणी से विद्यार्थियों को काफी मिलेगा। वहीं अध्यापक भी विद्यार्थियों के लिए आगामी रूपरेखा तैयार कर सकेंगे।

महिला चिकित्सा अधिकारी उत्पीड़न मामला

केस दर्ज नहीं करने पर भड़के संगठनों का रोष प्रदर्शन, एसपी को सौंपा ज्ञापन

- विभिन्न संगठनों की मांग पर पुलिस अधीक्षक ने दिया आरोपितों को गिरफ्तार करने का आश्वासन
- महिला चिकित्सा अधिकारी के साथ मारपीट व अश्लील हरकतें कर अपमानित करने का है मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नागरिक अस्पताल में कार्यरत अनुसूचित जाति की महिला चिकित्सा अधिकारी के साथ मारपीट, अभद्र व्यवहार, जान से मारने की धमकी, अश्लील हरकतें, जातिसूचक व अपशब्दों का प्रयोग करने के संगीन मामले में प्राथमिकी दर्ज न करने पर विभिन्न संगठनों ने पुलिस की भेदभावपूर्ण व अव्यवहारिक कार्यशैली की रोष स्वरूप कड़ी भर्त्सना की। इस मामले को लेकर शुक्रवार को सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के तत्वावधान में विभिन्न संगठनों के लोग लघु सचिवालय में एकत्रित हुए और पुलिस अधीक्षक अर्श वर्मा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन सौंपने वालों में समिति के प्रधान चंदन सिंह जालवान, महासचिव एवं कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल, सैनी सभा के प्रधान बिशनकुमार सैनी, हरियाणा आवाज फाउंडेशन के उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्राचार्य डा. शिवताज सिंह, अखिल भारतीय आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष लालाराम नाहर, भारतीय कुम्हार महासभा के राष्ट्रीय संगठन सचिव किशनलाल लुहानीवाल, जांगिड़ समाज के प्रमुख समाजसेवी चेयरमैन सुरेश बौद्ध, धानक समाज के प्रमुख समाजसेवी व पूर्व डीजीएम महेंद्र खन्ना, हरियाणा प्रदेश चमार महासभा के हजारीलाल खटावला, संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष एवं वाल्मीकि समाज के राजेश चांवरिया व करतार सिंह जैदिया, भारतीय बंजारा समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश कुमार, भारतीय सामाजिक परिवर्तन संघ के सुमेर सिंह गोठवाल, गुरु रविदास महासभा के प्यारेलाल चवन आदि शामिल थे। इस मौके पर हरिराम सिरोहा, सुमेर सिंह चौहान, शेरसिंह, अमरनाथ सिरोहा, संतलाल, योगेंद्र यादव, राजेश कुमार, विक्रम कुमार, हिमांशु, प्रेम, सरोज, लक्ष्मी, दीप सिंह, दलबीर सिंह, प्रधान प्रभुदयाल, दयानंद सांवरिया, गुगनराम सिरोहा, जगदीश सैनी आदि मौजूद थे।

नारनौल। महिला उत्पीड़न मामले में रोष व्यक्त करते विभिन्न संगठन। फोटो : हरिभूमि

गिरफ्तारी की मांग

ज्ञापन में विभिन्न संगठनों ने मांग की कि महिला उत्पीड़न के संगीन मामले में शामिल आरोपित व उसके परिजनों के खिलाफ तुरंत केस दर्ज कर गिरफ्तार किया जाए। जिस पर पुलिस अधीक्षक संज्ञान लेते हुए आश्वासन दिया कि आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। सभी संगठनों ने रोषस्वरूप खेद प्रकट करते हुए कहा कि 21 अप्रैल को हुई इस दर्दनाक घटना में 12 दिन बीत जाने के बाद भी महिला उत्पीड़न मामले में एफआईआर दर्ज न होना पुलिस विभाग की अव्यवहारिक कार्यशैली स्पष्ट रूप से संदेह के घेरे में आती है और मामले में अब तक कार्रवाई न होने से आरोपितों के हौसले बुलंद हैं। आज पीड़िता का परिवार पूर्णतया भयभीत है। ऐसे हालात में आरोपित कभी भी अनहोनी घटना को अंजाम दे सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार का बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा मात्र दिखावा रह गया हैं। सभी संगठनों ने यह भी निर्णय लिया कि पुलिस अधीक्षक की ओर से संज्ञान लेने के बावजूद भी मामले में ढिलाई बरती गई तो न्याय के लिए सभी संगठन धरने पर बैठने के लिए बाध्य होंगे। अतः पुलिस विभाग इस संगीन घटना को तत्परता से लेकर आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें, ताकि भविष्य में महिलाओं के साथ इस प्रकार की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृति ना हो।

महेन्द्रगढ़। सीएल फार्म हाउस में आयोजित सभा में उपस्थित भीड़। फोटो : हरिभूमि

भाजपा के लिए गले की फांस बनेगा 400 पार का नाराः हुड्डा

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में बढ़ी है लगातार बेरोजगारी : राव दानसिंह

महेंद्रगढ़ भिवानी लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी राव दानसिंह ने नांमाकन से पहले नारनौल के सीएल फार्म में नामाकंन सभा का आयोजन किया। जिसमें मुख्य रूप से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व राजस्थान में विपक्ष नेता टीकाराम जुल्ली उपस्थित रहें। इस दौरान में सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा सरकार ने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा दिया लेकिन पार्टी का नारा उनके नेताओं के लिए गले की फांस बन चुका हैं। भाजपा नेताओं का कई जगह विरोध के मामले भी सामने आ चुके हैं। यह भाजपा सरकार की 10 साल की नाकामी का परिणाम हैं। उन्होंने कहा कि जो जन समर्थन मिल रहा है, उससे लगता है राव दानसिंह भारी बहुमत से जीत दर्ज करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में अनेक पार्टियों ने मिलकर गठबंधन किया है। जिसका मकसद ही भारत के संविधान को बचाना है। कांग्रेस पार्टी ने न्याय पत्र बनाया है, जो हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस की सरकार बनती है तो किसान को एमएसपी दी जाएगी, अगर कोई कम लागत में खरीद करेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राव दानसिंह ने कहा कि बीजेपी को हराने के लिए कांग्रेस के पास सबसे बड़ा हथियार उसका घोषणापत्र और कल्याणकारी योजनाएं हैं। इसलिए इन्हें घर-घर व जन-जन तक पहुंचाना प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। कांग्रेस सिर्फ आलोचना करने की राजनीति में विश्वास नहीं रखती।

महेंद्रगढ़। गंदे पानी से होकर गुजरते स्कूल विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हट्टा बाजारः नाला ओवरफ्लो राहगीर हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

- दूषित पानी के दुर्गंध होने से आसपास के दुकानदार परेशान

शहर के 11 हट्टा बाजार स्थित पुराने बीईओ कार्यालय के पास बीच सड़क पर नाला ओवरफ्लो होने से दुकानदार व राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। इसके अलावा दूषित पानी सड़क पर जमा हो रहा है। लोगों को दूषित पानी के अंदर से होकर गुजरना पड़ रहा है। दिनभर पानी से दुर्गंध उठ रही है। आसपास के दुकानदारो ने इस नाले की सफाई करवाने की मांग की है। बता दें कि 11 हट्टा बाजार स्थित मौहल्ला कोकाबंगडी की ओर जाने वाले मार्ग पर बीच तिराहे के बीच में लोहे का जाल लगाया हुआ हैं। इसके पास नाला ओवरफ्लो हो रहा है, लेकिन करीब पांच-छह दिनों से नाले की सफाई नहीं होने से यह ओवरफ्लो हैं। जिससे दूषित पानी सड़क के बीच में बह रहा हैं। सफाई के अभाव में यह नाला ओवरफ्लो हो रहा है और दूषित पानी सड़क व दुकानों के सामने जमा हो रहा है। लोगों को दूषित पानी के अंदर से होकर गुजरना पड़ रहा है। सुरेश, प्रमोद, विजय, ताराचंद, जीतू, विकास, उमेश, विक्की आदि ने नपा की ओर पानी निकासी का स्थाई समाधान नहीं किया जा रहा है। जिससे दुकानदारों के साथ-साथ राहगीर भी परेशान हैं। नाले की नियमित सफाई नहीं होने से गंदा पानी बीच रास्ते में भर जाता है। यह रास्ता शहर का मुख्य रास्ता होने के कारण हजारों की संख्या में लोगों का यहां से आना जाना रहता है। राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल, प्राथमिक पाठशाला, राजकीय महाविद्यालय, निजी एकेडमी व निजी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों का आना जाना है।

नारनौल। टेकचंद यादव व अगेंद्र कुमार सम्मानित करते डा. मनीराम शर्मा व अवनीत पीकुमार। फोटो : हरिभूमि

डीओसी टेकचंद व कब मास्टर अगेंद्र सम्मानित

नारनौल। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स कार्यालय चंडीगढ़ में गतदिवस विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें महेंद्रगढ़ जिले से डीओसी टेकचंद यादव व कब मास्टर अगेंद्र कुमार यादव को सम्मानित किया। जिला महेंद्रगढ़ में सत्र 2023-24 में स्काउट, गाइड एवं कब, बुलबुल की गतिविधियों में हरियाणा राज्य में किए गए सराहनीय कायार्ें एवं मेंबरशिप ग्रोथ एंड इंप्लीमेंटेशन ऑफ ऑनलाइन यूथ मेंबरशिप सिस्टम (ओवाईएमएस) उपलब्धि तथा डीओसीए स्काउट एवं गाइड और डीओसीए कब बुलबुल की ओर से समय-समय पर प्रशासन द्वारा दिए गए सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा, मतदाता जागरूकता अभियान, मतदान करने, नशा मुक्ति अभियान, आपदा प्रबंधन अभियान, पर्यावरण एवं वन महोत्सव, गीता जयंती, रक्तदान जीवन दान व अन्य सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया।

शत-प्रतिशत मतदान के लिए आगे आए दिव्यांग व बुजुर्ग मतदाता

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- 40 फीसदी से अधिक दिव्यांग व्यक्ति व 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदातों के लिए घर से वोट डालने की सुविधा उपलब्ध

नारनौल। मतदान के लिए जागरूक करते शिक्षक संजय शर्मा।

प्रगतिशील शिक्षक ट्रस्ट ने क्षेत्र के दिव्यांग व बुजुर्ग मदाताओं से मतदान में आवश्यक रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया है। दिव्यांग जन योग सलाहकार समिति के पूर्व सदस्य संजय शर्मा ने इस विषय में दिव्यांग संगठनों, जिले के विभिन्न नगरों व गांवों में रहने वाले दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए कहा है कि प्रत्येक मतदाता को मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए, ताकि समाज, राज्य और देश की भलाई के लिए मजबूत व स्थाई सरकार बनाई जा सकें। उन्होंने कहा कि जितना ज्यादा मतदान होगा, हमारा लोकतंत्र भी उतना ही ज्यादा मजबूत होगा। चुनाव आयोग के निर्देश पर पोलिंग बूथ न केवल दिव्यांग मैत्री बनाए गए हैं, अपितु वहां समस्त सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई गई हैं। चुनाव आयोग ने 40 फीसदी से अधिक दिव्यांग व्यक्ति व 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ मतदातों के लिए घर से वोट डालने की सुविधा उपलब्ध करवाई है। इसके लिए अपने बीएलओ से फार्म 12 डी प्राप्त कर रख सकता है। संजय शर्मा ने बताया दिव्यांग या बुजुर्ग मतदाता चुनाव आयोग की हेल्पलाइन पर फोन कर सभी सुविधाओं की जानकारी ले सकते हैं।

ये रहे मौजूद

इस अभियान में टिंकू प्रधान, सचिव डा. मनोज यादव, निजी विद्यालय संगठन के प्रधान भीमसेन शर्मा, ट्रस्टी डा. जितेंद्र भारद्वाज, नरोतम सोनी, राकेश शर्मा, ट्रस्टी अजय शर्मा ने सहयोग किया।

सराहा

दिव्यांगजन अधिकार मंच के जिला प्रधान मनमोहन सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग की दिव्यांगजन के घर से मतदान की सुविधा बहुत सराहनीय और कारगर है। ऐसे बुजुर्ग व दिव्यांगजन मतदाता जो शत-प्रतिशत दिव्यांग हैं, उन्हें भी लोकतंत्र के पर्व पर अपनी भागीदारी करने का अवसर मिलेगा। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में दिव्यांगजनों का खयाल इस प्रकार रखा जाता है, यह गर्व की बात है।

सामाजिक संगठनों व ग्राम पंचायतों ने रोडवेज महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

क्षेत्र के सामाजिक संगठनों व ग्राम पंचायत ने रोडवेज बस चलवाने को लेकर रोडवेज महाप्रबंधक अनीत यादव को ज्ञापन सौंपा है। सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से समाजसेवी रामनिवास पाटोदा ने बताया कि रेवाड़ी बस स्टैंड से शाम 6:10 बजे वाया बवानियां, भोजावास, कुंड के लिए हरियाणा रोडवेज चलवाने के लिए लिखित ज्ञापन सौपा। जनहित की मांग को देखते हुए नारनौल व रेवाड़ी डिपो द्वारा चलाना चाहिए, जिससे लोगों को आवागमन में राहत मिल सके। चार विधानसभा क्षेत्र महेंद्रगढ़, अटेली, कोसली व बावल के दर्जनभर गांवों के लोगों को आवागमन के लिए परेशानी ना उठानी पड़े। उन्होंने बताया कि शाम के समय इस रूट पर यातायात के कोई साधन न होने के कारण ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान एवं समय की बबार्दी हो रही है। इस बस को चलवाने के लिए डीसी, महाप्रबंधक रेवाड़ी व नारनौल डिपो को एक साल में दर्जनों बार ज्ञापन दे चुके है। अभी तक बस नहीं चलाई है। ग्रामीण व सामाजिक संगठन इस बस को चलवाने के लिए रेवाड़ी डिपो के अधिकारी से मिले।

महेंद्रगढ़। रोडवेज महाप्रबंधक अनीत यादव को ज्ञापन सौंपते हुए।

महेंद्रगढ़। बूथ की चैकिंग करते एसडीएम संजीव कुमार। फोटो : हरिभूमि

एसडीएम ने किया बूथों का निरीक्षण

महेंद्रगढ़। एसडीएम एवं महेंद्रगढ़ के एआरओ संजीव कुमार ने लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर नांगल सिरोही, राजावास व कुरावहटा गांव में जाकर बूथों का जायजा किया। इस दौरान उन्होंने स्कूलों का भी निरीक्षण किया। एसडीएम ने बताया कि सभी बूथ पर विकलांगों के लिए रैंप की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा विकलांगों के लिए वालंटियर भी उनकी सहायता के लिए मौजूद रहेंगे। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि सभी बूथ पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। इसी तरह बूथ पर पीने के पानी के लिए नल की स्थायी व्यवस्था होनी चाहिए। वैकल्पिक रूप से मतदान के दिन पर्याप्त क्षमता वाले पीने का पानी उपलब्ध कराया जाए। एसडीएम ने बताया कि मतदान दलों और मतदान एजेंटों के लिए मतदान केंद्र के अंदर टेबल, कुर्सी और बेंच आदि जैसे फर्नीचर का उचित प्रावधान होना चाहिए। प्रत्येक मतदान केंद्र पर दिव्यांग, गर्भवती या वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं के लिए पर्याप्त कुर्सियां व बेंच भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। इस मौके पर एसईपीओ अशोक कुमार, एसईपीओ प्रवीन कुमार, लिपिक सतीश कुमार मौजूद थे।

नारनौल स्टेशन पर रेलगाड़ियां व मूलभूत सुविधाएं बढ़ाने की मांग

नारनौल। अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली के उपप्रधान एवं नारनौलवासी उद्योगपति कृष्ण अवतार जांगिड़ ने रेलवे जयपुर डिविजन के मंडल प्रबंधक को एक ज्ञापन प्रेषित करके नारनौल रेलवे स्टेशन पर सुविधाएं उपलब्ध करवाने की मांग की है। उन्होंने बताया कि दिल्ली-रेवाड़ी-फुलेरा-अजमेर रेलवे लाइन पर नारनौल वषार्ें पुराना रेलवे स्टेशन है, जो आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। नारनौल से जयपुर की यहां से सैकड़ों सवारियां प्रतिदिन बनती हैं। इसलिए नारनौल से जयपुर के लिए प्रतिदिन दो डीएमयू या तीन ट्रेन चलाई जाएं। चंडीगढ़ से बांद्रा चल रही ट्रेन को प्रतिदिन किया जाए तथा कम से कम दो या तीन ट्रेन राजधानी चंडीगढ़ के लिए चलाई जाएं, ताकि जनता राजधानी में आवागमन कर सके।

एसोसिएशन 11 मई को लेगी चुनावी समर्थन देने का फैसला

सरकार की नीतियों से संतुष्ट नहीं सरपंच

- टैंडर प्रक्रिया से विकास कार्यों की रफ्तार धीमी पड़ने का आरोप
- आत्मिक सम्मान को ठेस पहुंचने से सरपंच आहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नांगल चौधरी

नांगल चौधरी सरपंच एसोसिएशन की बैठक प्रधान धर्मपाल रावत की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें सरकार की टैंडर प्रक्रिया का विरोध जताने के बाद सरपंचों के आत्मिक सम्मान को ठेस पहुंचाने के आरोप लगाए गए। वहीं 11 मई को एसोसिएशन की दुबारा बैठक बुलाई गई है। जिसमें लोकसभा चुनावों में समर्थन देने संबंधी निर्णय लिया जाएगा। एसोसिएशन के प्रधान ने कहा कि सरपंच निर्वाचित जनप्रतिनिधि होते हैं। जिन्हें गांव की विभिन्न समस्याओं की जानकारी होने के साथ समाधान के विकल्प भी मालूम होते हैं। पंचायती राज एक्ट में सरपंचों को वित्तीय अधिकार दिए गए हैं, लेकिन भाजपा सरकार ने पंचायतों को अधिकारों से वंचित कर दिया। अब सरपंचों को अपने विवेक से विकास कार्य करवाने की पावर नहीं और ना ही विभागीय अधिकारी उनकी बात सुनते हैं। पांच लाख या इससे अधिक बजट के छोटे-छोटे विकास कार्य के लिए टैंडर छोड़ने अनिवार्य कर दिए हैं। विकास कार्यों पर सरपंचों का नियंत्रण नहीं होने के कारण पारदर्शी व्यवस्था धुमिल हुई है।

नांगल चौधरी। पंचायत समिति प्रांगण में बैठक करते सरपंच एसोसिएशन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

अधिकारियों से किया अनुरोध

इसके अलावा गांवों में पेयजल सप्लाई, बोरवेलों के बिजली कनेक्शन, पुलिस संबंधी समस्याएं रहती हैं। समाधान के लिए सरपंच विभागीय अधिकारियों से संपर्क करके उनसे समाधान करवाने का आग्रह करते हैं, लेकिन विभागीय अधिकारी सरपंचों की समस्या सुनने को तैयार नहीं, ऐसे में ग्रामीणों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सरकार की गलत नीतियों व प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता से परेशान एसोसिएशन की बैठक हुई है। जिसमें टैंडर प्रक्रिया लागू करने तथा विकास कार्यों में सरपंचों की भूमिका को कम करने पर विरोध जताया गया। उन्होंने कहा कि 11 मई को पंचायत समिति प्रांगण में सरपंचों की बैठक दुबारा बुलाई गई है। जिसमें लोकसभा चुनावों में किस प्रत्याशी को समर्थन दिया जाएगा, यह फैसला लिया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005